

**उत्तराखण्ड शासन**  
**परिवहन अनुभाग**  
 संख्या-253 /ix/323-46/2007  
 देहरादून, दिनांक 30 अप्रैल, 2007

अधिसूचना

उत्तरांचल (अब उत्तराखण्ड) मोटरयान कराधान सुधार अधिनियम, 2003 की धारा 28 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, उत्तराखण्ड " उत्तरांचल (अब उत्तराखण्ड) मोटरयान कराधान सुधार नियमावली, 2003" में संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ 1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम "उत्तराखण्ड मोटरयान कराधान सुधार (प्रथम संशोधन) नियमावली, 2007" है ।

(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी ।

नियम-30 के उपनियम (1) का प्रतिस्थापन 2. "उत्तरांचल (अब उत्तराखण्ड) मोटरयान कराधान नियमावली, 2003"(जिसो यहा आगे मूल नियमावली कहा गया है) के नियम 30 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित नियम रख दिया जायेगा, अर्थात:-  
 "किसी सार्वजनिक सेवा यान, जो मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 72, धारा 74, धारा 76, धारा 87, धारा 88 की उपधारा (8) अथवा धारा 88 की उपधारा (9) के अन्तर्गत जारी वैध परमिट से आच्छादित हो, के दुर्घटना में अन्तर्ग्रस्त होने से पीडित यात्री या कोई अन्य व्यक्ति या ऐसे यात्री या अन्य व्यक्ति के उत्तराधिकारी राहत पाने के हकदार होंगे।"

नियम 30 के उपनियम (2) के प्रयोजनार्थ अनुसूची का प्रतिस्थापन 3 मूल नियमावली में दी गयी वर्तमान अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रख दी जायेगी, अर्थात:-

क्रम संख्या	दुर्घटना/ क्षति का विवरण	देय राहत की धनराशि (रुपये)
1	2	3
1	" दुर्घटना में यात्री या अन्य व्यक्ति की मृत्यु होने पर	50,000
2	दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल होने की स्थिति में,	50,000

[Signature]

	जबकि प्रभावित यात्री/अन्य व्यक्ति, ऐसी पूर्ण रथाई निशक्तता जो नियोजन उपजीविका या अन्य किसी भी प्रकार का व्यवसाय करने में बाधक हो। इसमें निम्नलिखित मानले भी सम्मिलित हैं— (अ) दो अंगों की पूर्ण हानि (इ) दोनों नेत्रों की दृष्टि की पूर्ण हानि	
3	दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल होने की स्थिति में। यथा — (अ) रखने के उपर एक पैर की हानि (ब) एक नेत्र की हानि (स) दोनों कानों के सुनने की हानि (द) बाहिरी कलाई या एक भुजा की हानि (व) यदि घायल व्यक्ति को 20 दिवस अथवा अधिक दिवस तक चिकित्सालय में उपचार हेतु भर्ती रहना पड़े।	20,000
4	दुर्घटना में सामान्य रूप से घायल होने की स्थिति में (कमार्क 2 एवं 3 से निम्न मामलों में)।	5,000

आज्ञा से,

( एन0एस0 नपलव्याल )  
प्रमुख सचिव।

संख्या-252/ix/3237/2007 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- समस्त प्रमुख सचिव/सचिव उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव भा0 परिवहन मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- ✓ 5- परिवहन आयुक्त, उत्तराखण्ड।
- 6- उप निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, लिथोप्रेस रुड़की को इस आशय से कि उक्त नियमावली की 100 प्रतियां साधारण गजट में छाप कर परिवहन अनुभाग -1 उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

( गरिमा राँकली )

उप सचिव।

In pursuance of the provision of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English Translation of notification no. 253/IX/323/2006/2007, Dated 30 April, 2007 for general information;

**Government of Uttarakhand  
Transport Department**

No. 253/IX/323-16/2007  
Dehradun, Dated: 30 April, 2007

**Notification**

In exercise of the powers conferred by the Section 28 of "The Uttaranchal (Now Uttarakhand) Motor Vehicles Taxation Reforms Act, 2003", the Governor of Uttarakhand is pleased to amend "The Uttaranchal (Now Uttarakhand) Motor Vehicles Taxation Reforms Rules 2003" and make the following rules:-

**Short title and Commencement** 1 (1) These rules may be called "The Uttarakhand Motor Vehicles Taxation Reforms (First Amendment) Rules, 2007".

(2) They shall come into force with immediate effect.

**Substitution of Sub rule (1) of Rule 30** 2 In sub rule (1) of rule 30 of the Uttaranchal (Now Uttarakhand) Motor Vehicles Taxation Reforms Rules, 2003, (hereinafter referred to as principal rules), the following sub rule shall be substituted, namely :-

(1) "A passenger or any other person suffering casualty in an accident, in which a public-service vehicle, covered under a valid permit under section 72, 74, 76, 87, subsection (8) of section 88 or subsection (9) of section 88, is involved, or the hire of such passenger or other person shall be entitled to relief."

**Substitution of Schedule for the provision of sub rule (2) of Rule 30** 3 For the Schedule of the said principal rules, the following Schedule shall be substituted, namely:-

S.No.	Description of Casualty/Injury	Amount of relief payable (C.R.)
1	"Death of a passenger or another person	50,000
2	In case of such injury that a passenger or other person becomes permanent/ total disable & incapable to perform	50,000

5/5



	employment, occupation or business of any kind whatsoever, It also includes: (a) Loss of two Limbs (b) Total loss of sight of both eyes	
3	In case of severe injury, such as: (a) Loss of one leg above ankle (b) Loss of one eye (c) Loss of hearing both ears (d) Loss of one arm at or above right wrist (e) Injuries of serious nature causing hospitalization for a period of 20 or more days.	20,000
4	In case of injury (other than serial no 2 and 3)"	5,000

By Order,

  
(Nrip Singh Napalchyal)  
Principal Secretary

संख्या-252 (2) / ix / 323-06 / 2007 तददिनांक ।


प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

1- मण्डलायुक्त, गढ़वाल / कुमाऊँ क्षेत्र नैनीताल, उत्तराखण्ड ।

2- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड ।

✓ 3- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून ।

आज्ञा से,

  
( गरिमा राँकली )  
उप सचिव ।